राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय
स्कूल स्तर कथक पाठ्यक्रम अंक विभाजन

MARKING SCHEME OF SCHOOL LEVEL
Sangeetika Senior Diploma in performing art- (S.S.D.P.A.)
2023 -24 (Regular)

PAPER	SUBJECT - Kathak	MAX	MIN
1	Theory-I History and Development of Indian dance	100	33
2	PRACTICAL - I Demonstration & Viva	100	33
	GRAND TOTAL	200	66

संगीतिका सीनियर ड़िप्लोमा इन परफॉर्मिंग आर्ट
विषय–सुगम नृत्य
शास्त्र

समयः– 3 घन्टे **पूर्णांक–100**

1. अभिनय दर्पण के अनुसार संयुक्त हस्त मुद्राओं का विनियोग सहित वर्णन।
2. दृष्टिभेद एव भृकुटी भेदों की विस्तृत जानकारी।
3. ग्रीवा भेद एवं शिरोभेद की विस्तृत जानकारी।
4. लय की परिभाषा एवं उसके मूल प्रकार विलम्बित मध्य एवं द्रुत लय की जानकारी।
5. निम्नलिखित परिभाशित शब्दो का ज्ञान (थाट, उठान, आमद, प्रिमेलू व परन)।
6. उत्तराखण्ड के लोकनृत्यों की जानकारी। (इतिहास, प्रस्तुतिकरण, वेशभूशा व वाद्य यंत्रो के संदर्भ में)
7. भाव की व्याख्या एवं नृत्य में इसकी महत्ता।
8. तीनताल (16–मात्रा), दादरा (6–मात्रा), कहरवा (8–मात्रा), रूपक (7–मात्रा), एकताल (12–मात्रा), तथा दीपचंदी (14–मात्रा) तालों की जानकारी व उनकी, ठाह, दुगुन, चौगुन, को लिपिबद्ध करने का अभ्यास।
9. भातखण्डेताललिपि व उसकी उपयोगिता।
10. निम्नलिखित नृत्यकारों का जीवन परिचय एवं योगदान। (बिन्दादीन महाराज जी, पं. कुदंनलाल गंगानी, पं. गोपीकृश्ण जी)

संगीतिका सीनियर ड़िप्लोमा इन परफॉर्मिंग आर्ट
विषय–सुगम नृत्य
प्रायोगिक

पूर्णांकः–100

1. असंयुक्त एवं संयुक्त हस्त मुद्राओं का श्लोक उच्चारण सहित प्रदर्शन।
2. ग्रीवाभेद, शिरोभेद, दृष्टिभेद, एवं भृकुटी भेदों का प्रायोगिक प्रदर्शन करने की क्षमता एवं नृत्य के साथ उनका प्रयोग।
3. राजस्थान, मध्यप्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र तथा पंजाब के लोक नृत्यों पर भाव प्रदर्शन के साथ नृत्य करने का अभ्यास।
4. गज़ल (मीर, गालिब, फिराक़, फैज़,), भजन (सूर, मीरा, तुलसी) आदि पर भाव प्रदर्शन के साथ नृत्य करने का अभ्यास।
5. जूनियर ड़िप्लोमा में आए सभी प्रश्नों की मौखिक जानकारी।
6. पाठ्यक्रम में आए सभी तालों की ठाह, दुगुन, चौगुन लगाने की क्षमता।

संदर्भित पुस्तकें :–

1. अभिनय दर्पण (श्री वाचस्पति गैरोला)
2. कथक नृत्य (श्री लक्ष्मी नारायण गर्ग)
3. कथक नृत्य f” ाक्षा (डॉ. पुरू दधीच)
4 कथक मध्यमा (डॉ. भगवानदास माणिक)

अतरीक मूल्यांकन

आवश्यक निर्देश–: आंतरीक मूल्यांकन के अन्तर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों का प्रायोगिक परीक्षा के समय दो फाईल प्रस्तुत करनी होगी।

1.कक्षा में सीखे गये रागो की स्वर लिपि/तोड़ो का विवरण
2. विश्वविद्यालय एवं नगर में आयोजित संगीत कार्यक्रमों की रिर्पोट